ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय-हिन्दी

दिनांक-24/05/2020 क्षितिज-काव्यखंड

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

शुभ प्रभात!

चहुँ ओर मंगल ही मंगल हो।

प्यारे बच्चों, यदि आपको सुख शांति मुस्कुराहट चाहिए, तो अपना दृष्टिकोण बदलिए।। खुशी सब और बांट दीजिए। आप की परिस्थितियां नहीं है देने की किंतु आप सोने से भी कीमती आदमी को खुशी बांट सकते हैं आप जानते नहीं है क्यों आज आदमी खुशी के लिए तरस रहा है जिंदगी की लाश इतनी भारी हो गई है कि वजन ढोते ढोते आदमी की कमर टूट गई है ।
~~~~~~~~~~

अभी तक आपने रसखान के सवैया को भलीभांति पढ़ा। इसके भावार्थ को जाना। आज के पाठ्य सामग्री में आपको मैं इस पाठ का प्रश्न दे रही हूं जिसे आप लोग बनाएंगे।

प्रश्न अभ्यास:

1. ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन- किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?
2. कवि का ब्रज के वन,बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण हैं?
3. एक लकुटी और कमरिया पर कवि सब कुछ न्यौछावर करने को क्यों तैयार हैं?
4. सखि ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था ?अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
5. आपके विचार से कवि, पशु, पक्षी और पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सानिध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है?

6. ‘कालिंदी कूल कदंब की डारन’ में कौन -सा अलंकार है ?
7. **छात्र कार्य** :
8. अपने गृह कार्य पुस्तिका में प्रश्न अभ्यास बनाएँ।

धन्यवाद

जीवन चलता है लेकिन इसको चलाने के लिए पहले हमें स्वस्थ और सुरक्षित रहना आवश्यक है।

कुमारी पिंकी “कुसुम”